IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशियों का तुलनात्मक अध्ययन (2001–02 से 2011–12)

डॉ. जगदीश कुमार साहू
सहायक प्राध्यापक
महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

सारांश

भारतीय डाकघर की सेवाएँ केवल डाक बांटने तक ही सीमित नही रहे है वरन प्रारंभ के दिनों में डाक विभाग, डाक बंगलो और सरायों के रख रखाव का कार्य भी करते थे । उपरोक्त शोध पत्र में डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशियों में वृद्धि या कमी का अवलोकन करना। डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशियों के मध्य निर्धारण गुणांक के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन। डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं मं वृद्धि या कमी से संबंधित आंकडो का रेखाचित्रों द्वारा प्रदर्शन किया गया है जिनमं डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं का विस्तार से अध्ययन किया गया है ।

प्रस्तावित शोध कार्य में यह परिकल्पना की गई है कि डाकघर के बचत एवं जमा योजनाओं के विकास की पर्याप्त संभावनाएँ हैं । डाकघर में बचत एवं जमा योजनाओं के विकास से लोगों में बचत के प्रति रूझान मे वृद्धि होगी । डाकघरों के बचत विनियोगों के द्वारा प्राप्त पूँजी राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में सहायक होगी ।

मुख्य शब्द

डाकघर, बचत, जमा, योजनाएँ, खाता, पूँजी, वर्षवार, आरेख, राशि, रेखाचित्र, निर्धारण गुणांक ।

परिचय

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का उचित मूल्यांकन पूंजी उपलब्धता के आधार पर ही किया जा सकता है और राष्ट्र की पूंजी मे वृद्धि उस राष्ट्र की लोगों की बचत की प्रवृत्ति पर निर्भर करती है । वर्तमान में भारत जैसे विकासशील देश मे बैंकों,वित्तीय संस्थाओं, बीमा कम्पनियों तथा डाकघरों के माध्यम से लोगो की बचत राशि को संग्रहित कर राष्ट्र के लिए पूंजी निर्माण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है । इस प्रकार से पूंजी निर्माण में डाकघर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है । जनमानस मे बचत की प्रवृति को बढ़ाने हेतु वित्तीय संस्थाओं के द्वारा समय–समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिनके माध्यम सें लोगों को इन बचत योजनाओं में राशि जमा कर प्राप्त होने वाले लाभों की जानकारियॉ प्रदान की जाती है। डाकघर द्वारा संचालित बचत एवं जमा योजनाओं के माध्यम से जन मानस के बचत की राशि को संग्रहित करने का कार्य किया जाता है । इस प्रकार जमा राशियॉ किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़ व सशक्त बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है।

भारत एक ऐसा देश है है जहॉ कम आमदनी करने वाले व संयुक्त परिवारों में रहने वाले लोग निवास करते है। भारत में निवास करने वाले लोगों को अपनी छोटी–छोटी राशियों को एक बडी रकम के रूप में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जाता था । इन लेन देनों को करने के लिए जिला मुख्यालयों मे 321 सरकारी खजानें स्थापित किए गये थें । सन् 1880 में 5090 डाकघरों के माध्यम से छोटी रकमों को

मनीआर्डर के द्वारा भेजने की सुविधा प्रदान कि गयी थी । डाकघर ने राष्ट्र को आपस में जोड़ने व वाणिज्य के विकास में सहायता करने और सुचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक निर्बाध पहुचाने में मदद की है ।

साहित्य समीक्षा

शर्मा एण्ड पटेल (2021) ‘‘भारत में डाकघर की बचत योजनाओं के प्रति निवेशकों की धारणा‘‘ उक्त अध्ययन मे यह पाया गया कि डाकघर की योजनाओं मे दिया जाने वाला ब्याज दर और इनमें मिलने वाले करों में लाभ निवेश्कों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण करको में से है इसका प्रमुख कारण निवेश्कों को डाकघर की योजनाओं के विषय मे जागरूकता का अभाव पाया गया।

डॉ. के.आर.कविता एण्ड एन.रमेश.कुमार (2019):‘‘बैंगलोर शहर के संदर्भ में डाकघर बचत योजनाओं के प्रति निवेशकों की धारणा‘‘ निवेशकों की बचत की धारणा की जॉच करने के उद्देश्य से उक्त अध्ययन को किया गया है। अध्ययन में यह पाया गया कि डाकघर मे जमा राशि निवेशकों के लिए एक सुरक्षित व संरक्षित विकल्पों मे से एक है ।

सुश्री एस.मधुमिथा(2015):‘‘सांस्कृतिक दृष्टिकोण से निवेश की धारणाओं का संदर्भित अध्ययन‘‘ उपरोक्त अध्ययन मे डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं की लोकप्रियता के कारण निवेश्कों के द्वारा बचत राशि अन्यत्र जमा न कर डाकघर की योजनाओं में विनियोग करने के लिए एक सुरक्षित माध्यम के रूप में माना गया है ।

प्रविधि

शोध प्रविधि द्वितियक प्रकार के समंको पर आधारित है । आंकड़ो का संग्रहण विषय से संबंधित प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं, प्रशासकीय प्रतिवेदन एवं वार्षिक पत्रिकाओं के माध्यम से किया गया है। समंकों के विशलेषण हेतु सांख्यीकीय विधि, आरेखीय चित्रण, बिंदुरेखीय प्रदर्शन का प्रयोग किया गया है।

विस्तार

डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाएँ :

1 डाकघर बचत बैंक खाता योजना
2 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता योजना
3 सावधि जमा खाता योजना
4 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खाता योजना
5 मासिक आय योजना
6 राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

1. डाकघर बचत बैंक खाता

डाकघर बचत बैंक खाता उन लोगो को बचत के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ कि गई है जिनकी आय न्यूनतम है । यह डाकघर की प्रारंभिक बचत योजना भी है। यह खाि किसी भी व्यक्ति द्वारा केवल 500/रू. के न्यूनतम राशि से खोला जा सकता है।

तालिका क्रमांक 1

डाकघर बचत बैंक खाते में वर्षवार जमा राशियॉं

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट की प्राप्तियाँ
2001-02	140.77
2002-03	176.12
2003-04	217.20
2004-05	248.24
2005-06	314.32
2006-07	360.67
2007-08	431.65
2008-09	536.00
2009-10	680.46
2010-11	843.54
2011-12	769.28
$R^2 = 0.93$, r = .96, p<.01	

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट प्राप्तियों के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान r = .96, p<.01 पाया गया जो कि .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट प्राप्तियों के मध्य धनात्मक संबंध है । समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक R^2= 0.93 यह सिद्ध करता है कि 93 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि ही हुई है ।

प्राप्त परिणामों को रेखाचित्र क्रमांक 1 में भी दर्शाया गया है ।

आरेख क्रमांक 1

डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट प्राप्तियों का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

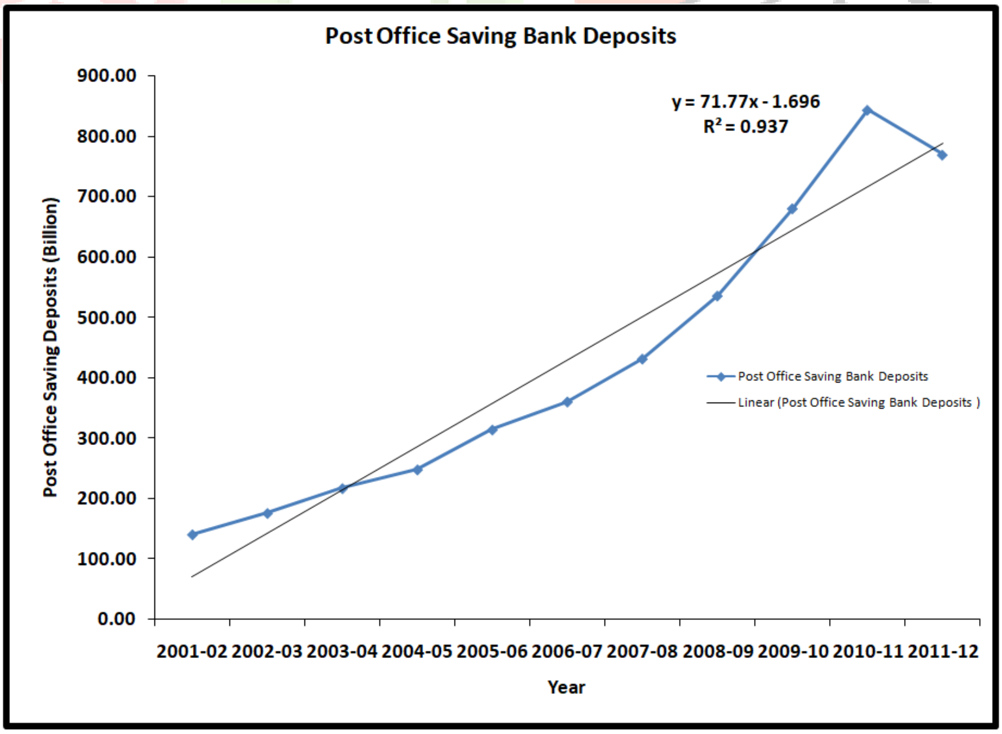

2. 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता योजना

डाकघर का 5–वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता थोड़ी–थोड़ी राशि जमा कर बड़ी बचत प्राप्त करने का एक बेहतर विकल्प है इस खातें में हर महीने पॉच वर्षो तक राशि जमा करनी होती है । यह खाता किसी भी व्यक्ति के द्वारा केवल 100/रू. के मासिक किस्त पर खोला जा सकता है।

तालिका क्रमांक 2

5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता योजना में वर्षवार जमा राशियॉं

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट की प्राप्तियाँ
2001-02	14.28
2002-03	118.11
2003-04	139.93
2004-05	166.45
2005-06	199.79
2006-07	234.88
2007-08	263.39
2008-09	276.84
2009-10	284.43
2010-11	303.53
2011-12	328.62
$R^2 = 0.92$, r = .96, p<.01	

तालिका क्रमांक .2 के अनुसार सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान r = .96, p<.01 पाया गया जो कि .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट के मध्य धनात्मक संबंध है । समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक $R^2= 0.92$ यह सिद्ध करता है कि 93 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि ही हुई है ।

आरेख क्रमांक 2

डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

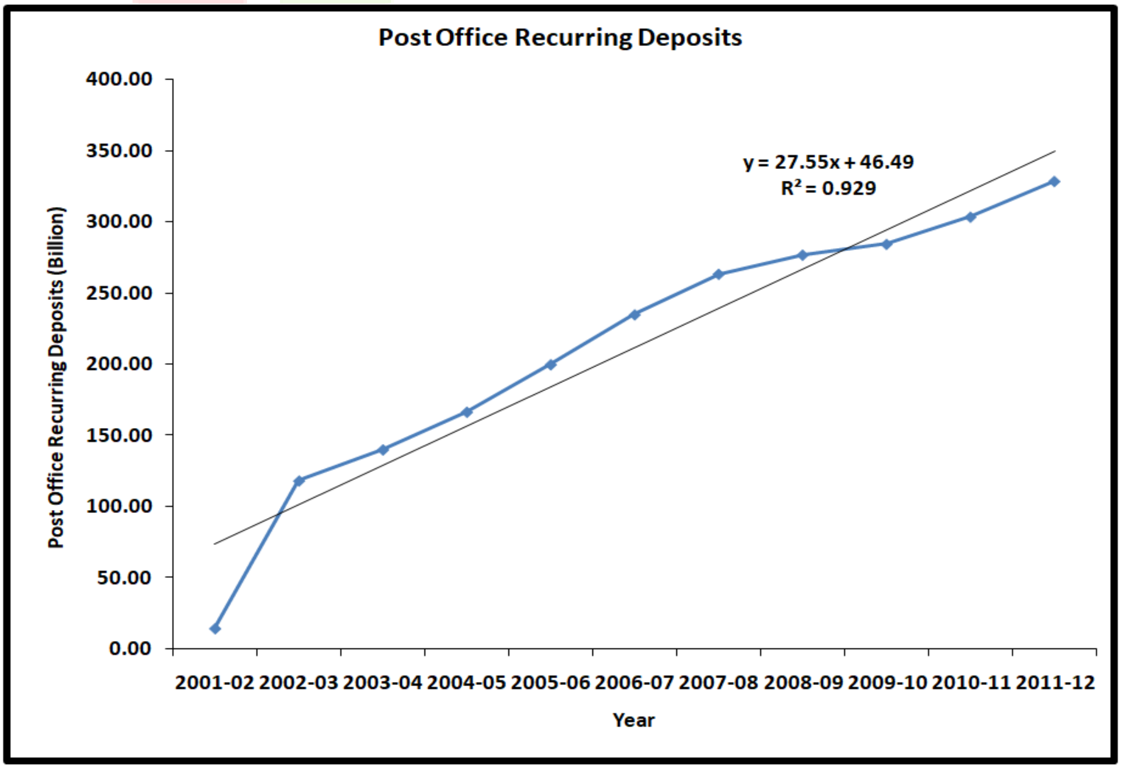

3. डाकघर सावधि जमा खाता

डाकघर समय जमा खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा केवल 1,000/–रू. में खुलवाया जा सकता है इससे अधिक कि राशि को 100/–रू. के गुणांक में जमा करा सकते है। इस खाते पर वार्षिक ब्याज दिया जाता है जिसकी गणना तिमाही चक्रवृद्धि ब्याज के आधार पर होती है । अलग –अलग वर्षो पर ब्याज कि दरें भिन्न होती है।

तालिका क्रमांक 3

डाकघर सावधि जमा खाते में वर्षवार जमा राशियॉ

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट की प्राप्तियॉं
2001-02	64.45
2002-03	102.83
2003-04	163.39
2004-05	202.53
2005-06	205.26
2006-07	197.98
2007-08	140.42
2008-09	132.53
2009-10	170.41
2010-11	162.17
2011-12	123.55
$R^2 = 0.05$, $r = .23$, $p>.05$	

तालिका क्रमांक 3 के अनुसार सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान $r = .23$, $p>.05$ पाया गया जो कि सार्थकता स्तर पर सिद्ध नहीं था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट के मध्य धनात्मक संबंध है किन्तु यह सांख्यिकीय रूप से सिद्ध नहीं है। समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक $R^2 = 0.05$ यह सिद्ध करता है कि केवल 5 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।

आरेख क्रमांक 3

डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

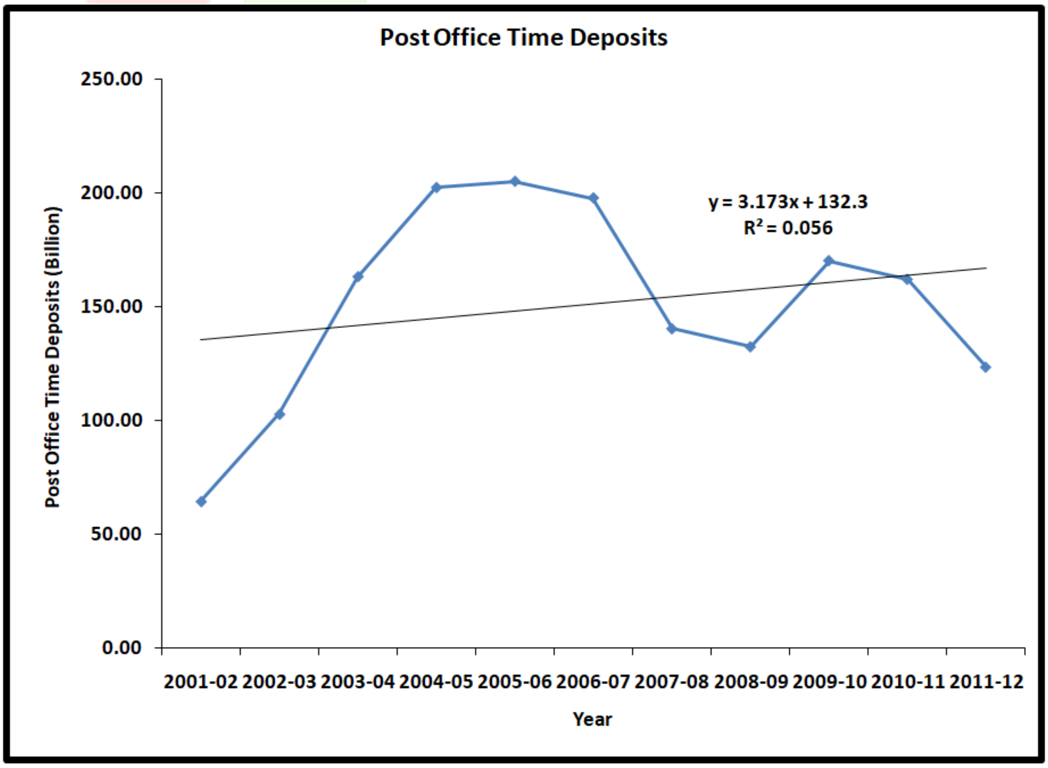

4. 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खाता योजना

15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता नौकरीपेशा एवं व्यापारी वर्गों हेतु उपर्युक्त निवेष विकल्प हैं । इस खाते में राषि 15 वर्षो के लिए किस्तों में जमा होता है यह खाता सिर्फ एकल नाम से ही खोला जा सकता है । इस खाते को कम से कम 500/— रू. से प्रारंभ किया जा सकता है ।

तालिका क्रमांक 4

डाकघर 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खातें में वर्षवार जमा राशियॉ

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	पब्लिक प्रोविडेंट फंड
2001-02	19.29
2002-03	23.37
2003-04	25.28
2004-05	25.34
2005-06	30.24
2006-07	40.65
2007-08	33.47
2008-09	36.52
2009-10	41.96
2010-11	68.37
2011-12	53.35
$R^2 = 0.78$, r = .88, p<.01	

तालिका क्रमांक 4 के अनुसार सन् 2001—02 से 2011—2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पब्लिक प्रोविडेंट फंड के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान r = .88, p<.01 पाया गया जो कि .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्व था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001—02 से 2011—2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार पब्लिक प्रोविडेंट फंड की प्राप्तियों के मध्य धनात्मक संबंध है । समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक $R^2 = 0.78$ यह सिद्ध करता है कि 78 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस में पब्लिक प्रोविडेंट फंड प्राप्तियों में सन् 2001—02 से लेकर सन् 2011—2012 तक वृद्धि ही हुई है ।

आरेख क्रमांक 4

डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस पब्लिक प्रोविडेंट फंड का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

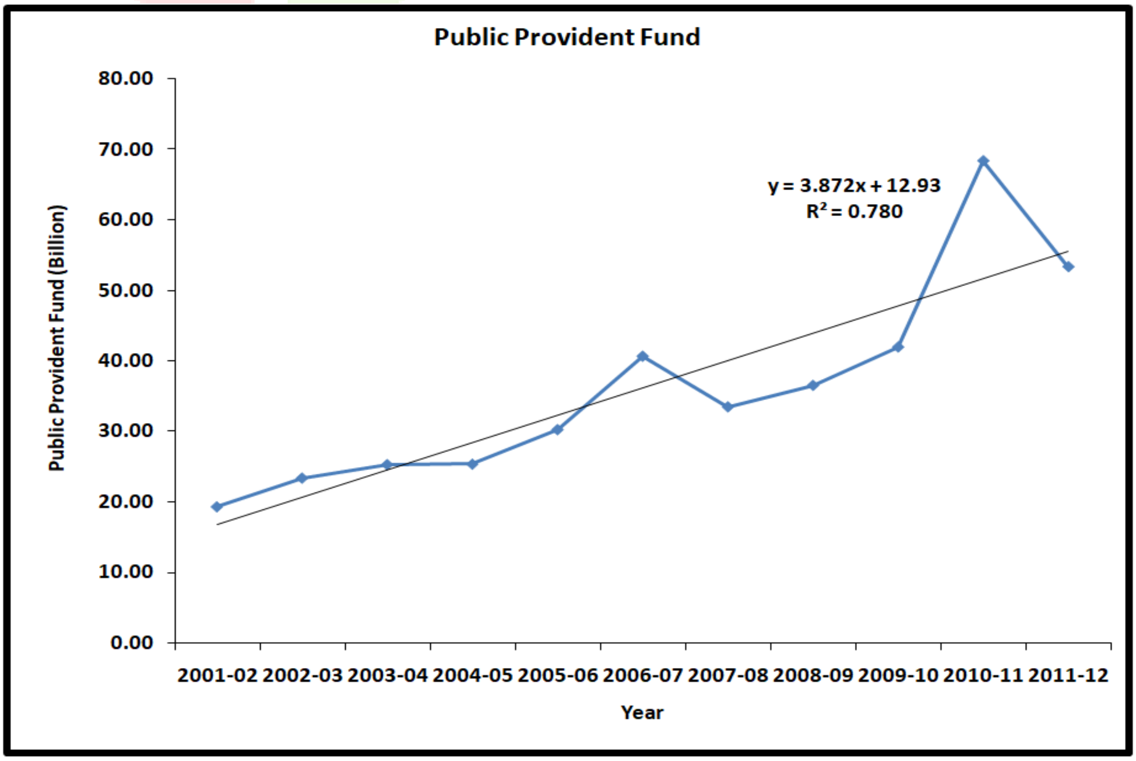

5. मासिक आय योजना

डाकघर मासिक आय योजना में राशि पॉच वर्ष के लिए जमा की जाती है। जिसका ब्याज प्रतिमाह प्राप्त होता रहता हैं । यह खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा न्यूनतम राशि से खोला जा सकता है इस खातमे में अधिकतम राषि जमा करने संबंधि प्रतिबंध लागू है।

तालिका क्रमांक 5

डाकघर में वर्षवार मासिक आय योजना में जमा राशियॉं

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	मंथली इंकम स्कीम
2001-02	187.98
2002-03	276.41
2003-04	388.51
2004-05	484.57
2005-06	472.73
2006-07	264.61
2007-08	170.25
2008-09	238.12
2009-10	543.00
2010-11	566.93
2011-12	371.38
$R^2 = 0.13$, $r = .37$, $p>.05$	

तालिका क्रमांक 5 के अनुसार सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस मंथली इंकम स्कीम के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान $r = .37$, $p>.05$ पाया गया जो कि सार्थकता स्तर पर सिद्ध नहीं था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001–02 से 2011–2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस मंथली इंकम स्कीम के मध्य धनात्मक संबंध है किन्तु यह सांख्यिकीय रूप से सिद्ध नहीं है। समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक $R^2=0.13$ यह सिद्ध करता है कि केवल 13 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस मंथली इंकम स्कीम प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।

आरेख क्रमांक 5

डाकघर में वर्षवार मंथली इंकम स्कीम का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

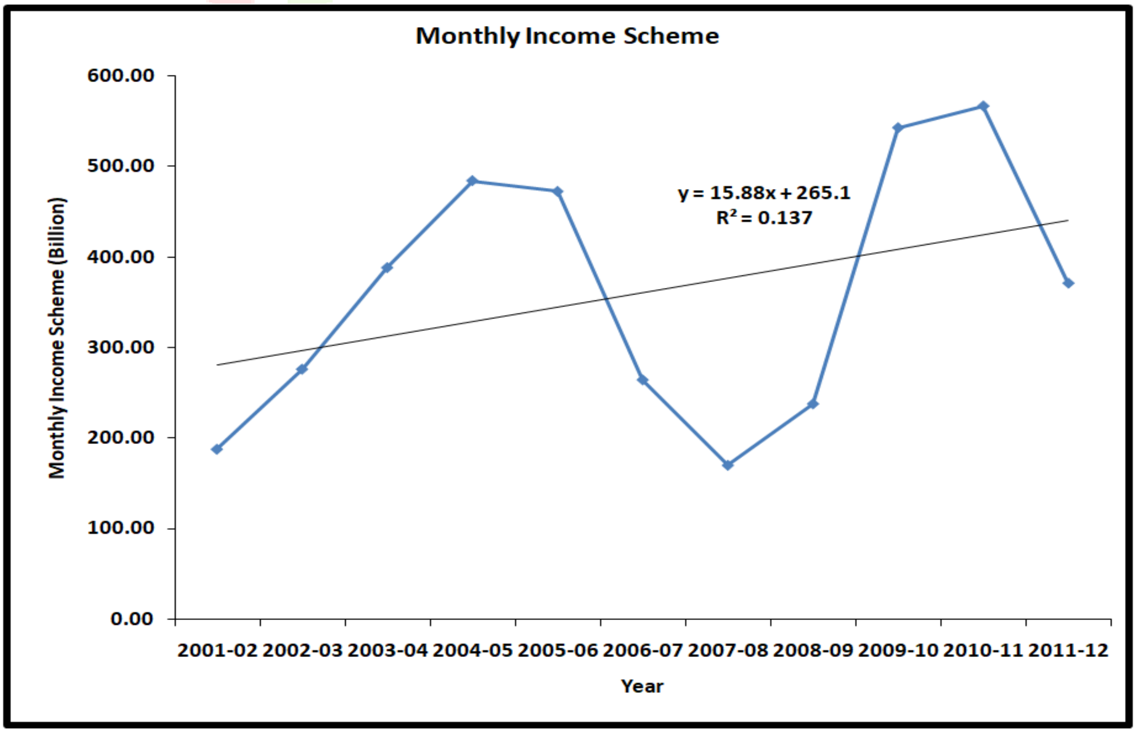

6. राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

इसे वेतन भोगियों, सरकारी कर्मचारीयों, व्यवसायीयों और कर अदा करने वाले व्यक्तियों को ध्यान मे रखकर जारी किया गया है । राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र निवेश व कर बचत का सुरक्षित विकल्प हैं इस पर जमा रकम पर आयकर अधिनियम कि धारा 80 सी के तहत कर से छूट प्राप्त होती है।

तालिका क्रमांक 6

डाकघर में राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र में वर्षवार जमा राशियॉ

(राशि अरब रू. में)

वर्ष	नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट
2001-02	78.40
2002-03	95.83
2003-04	113.97
2004-05	100.97
2005-06	105.41
2006-07	89.12
2007-08	62.85
2008-09	70.82
2009-10	105.17
2010-11	97.57
2011-12	79.35
$R^2 = 0.04$, $r = -.22$ $p>.05$	

तालिका क्रमांक 6 के अनुसार सन् 2001—02 से 2011—2012 तक के कालखंड एवं डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान r = .-.22, p>.05 पाया गया जो कि सार्थकता स्तर पर सिद्ध नहीं था। सहसंबंध गुणांक इस तथ्य का संकेत है कि सन् 2001—02 से 2011—2012 तक के एक वर्ष के समयांतराल एवं डाकघर में वर्षवार नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के मध्य ऋणात्मक संबंध है किन्तु यह सांख्यिकीय रूप से सिद्ध नहीं है। समय श्रृंखला (Time series) का निर्धारण का गुणांक $R^2= 0.04$ यह सिद्ध करता है कि केवल 4 प्रतिशत समंक प्रतीपगमन रेखा के समीप हैं जो दर्शाता है कि सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट प्राप्तियों में सन् 2001—02 से लेकर सन् 2011—2012 तक कमी तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।

आरेख क्रमांक 6

डाकघर में वर्षवार नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट का रेखाचित्र एवं निर्धारण गुणांक

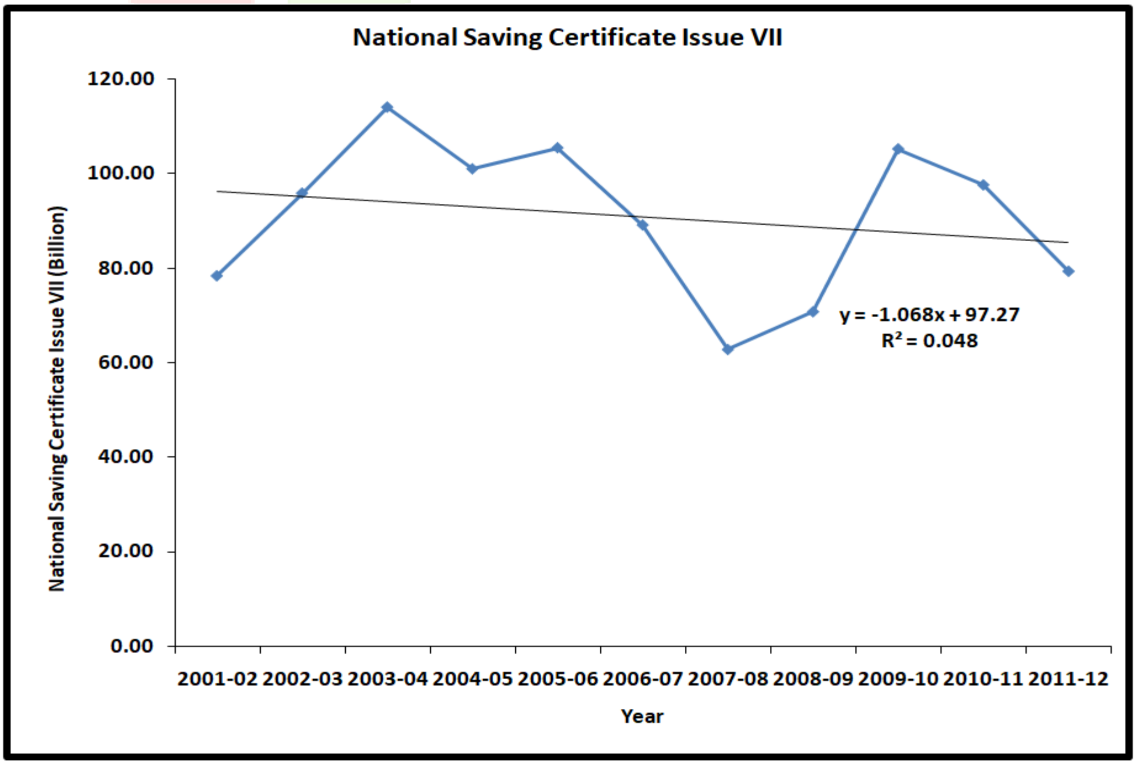

परिणाम

डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशियों के अध्ययन अवधि के परिप्रेक्ष्य में किये गये विश्लेषण से निम्नलिखित तथ्य सामने आये –

1. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि हुई है ।
2. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार सामान्य रूप से डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि ही हुई है ।
3. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार वर्षवार पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।
4. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस में पब्लिक प्रोविडेंट फंड प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि ही हुई है ।
5. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार डाकघर में वर्षवार नेशनल सेविंग स्कीम प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक कमी ही हुई है किन्तु प्रतीपगमन रेखा के अनुसार इसका भविष्य में निश्चित अनुमान लगाना कठिन है ।
6. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस मंथली इंकम स्कीम प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक वृद्धि तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।
7. सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार डाकघर में वर्षवार पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट प्राप्तियों में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक कमी तो हुई है किन्तु इसका कोई स्पष्ट रुझान नहीं है ।

निष्कर्श

अतः वर्षवार पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक डिपॉसिट एवं पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉसिट प्राप्तियों एवं पब्लिक प्रोविडेंट फंड प्राप्तियों में अध्ययन अवधि के दौरान उत्तरोत्तर वृद्धि हुई किन्तु पोस्ट ऑफिस टाईम डिपॉसिट प्राप्तियों एवं पोस्ट ऑफिस मंथली इंकम स्कीम प्राप्तियों में वृद्धि भविष्य में किसी स्पष्ट रुझान की ओर संकेत नहीं करती है । इसके विपरीत वर्षवार नेशनल सेविंग स्कीम से प्राप्तियों एवं नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में सन् 2001–02 से लेकर सन् 2011–2012 तक कमी ही हुई है किन्तु यह कमी भविष्य में किसी स्पष्ट रुझान की ओर संकेत नहीं करती है ।

संदर्भ

www.Indiapost.gov.in
www.sodhganga.inflibnit.ac.in
Jatinder N.D. Gupta & Krajewski, 1977
Srinivas G.R. (2002)
According to Hall (2000),
Gupta Mini (1993)
Sunder G Hari (volume 2 ISS I JAN-JUN 2009)
Elaine Kempson And Andrea Finney (2009)
Jain G.M. (2001)
Agrawal G.K. & Pandey S.L.(2004)